International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.340, Volume 03, No. 04(II), October - December, 2021, pp.125-129

बी.एड. ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. कौशल द्विवेदी*
मुकेश कुमार**

सार

विद्यार्थियों को शिक्षा उत्तम स्तर की प्राप्त हो इसके लिए प्रभावी शिक्षण की आवश्यकता होती है। प्रभावी शिक्षण करवाने के लिए 'हवा में बाते करने' से काम नहीं चलता है बल्कि वास्तविक धरातल पर काम करने से होता हैं वास्तविक धरातल पर काम करने के लिए शिक्षण को प्रस्तुत करने वाले शिक्षक की योग्यताऐं एवं क्षमताऐं पूर्णता लिए हुए हो। शिक्षक को अपनी योग्यताओं एवं क्षमताओं में परिपूर्णता प्राप्त करने के लिए उसके प्रभावी प्रशिक्षण की व्यवस्था होना आवश्यक है। भारत में शिक्षक के प्रभावी प्रशिक्षण के लिए एनसीटीई, युजीसी, एनसीईआरटी, एससीईआरटी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, एनसीएफटीई आदि संस्थाओं, आयोगों एवं परिषदों द्वारा समय–समय पर जारी किए गए दिशा–निर्देशों से नवीन व्यवस्थाओं को लागु किया गया। प्रभावी प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के लिए वर्तमान में इसकी जिम्मेदारी शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों को दी गई हैं।

शब्दकोशः *युजीसी, एनसीईआरटी, एससीईआरटी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, एनसीएफटीई।*

प्रस्तावना

शिक्षण–प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को छात्राध्यापक, छात्राध्यापिका, प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षशु, छात्र–शिक्षक आदि नामों से जाना जाता है। प्रशिक्षणार्थियों को भारत का भविष्य निर्माता बनने से पूर्व इनको विभिन्न गतिविधियों में कुशलता प्राप्त करनी होती है। जब प्रशिक्षणार्थियों में शिक्षक के अनुरूप योग्यता या कुशलता विकसित होने पर ही उसे शिक्षक की उपाधि से नवाजा जाता है। प्रशिक्षणार्थियों को इस उपाधि को प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण महाविद्यालयों में आयोजित की जाने वाली प्रमुख गतिवविधियॉ – सूक्ष्म शिक्षण, शिक्षण कौशल, दैनिक पाठ योजना, इकाई पाठ योजना, वार्षिक पाठ योजना, वार्षिक योजना, आलोचनात्मक पाठ योजना, समालोचनात्मक पाठ योजना, अवलोकन पाठ योजना, प्रदर्शन पाठ योजना, शिक्षण उपकरण–निर्माण एवं प्रयोग, श्रव्य–दृश्य उपकरण–निर्माण एवं प्रयोग, उपस्थिति, सेमीनार, कार्यशाला, इन्टर्नशिप–खण्ड शिक्षण अभ्यास, केश स्टडी, क्रियात्मक अनुसंधान, शैक्षणिक भ्रमण, समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर, सांस्कृतिक गतिविधियॉं, साहित्यिक कार्यक्रम, खेलकुद कार्यक्रम, सत्रीय कार्य/प्रोजेक्ट, आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा, बाह्य मूल्यांकन परीक्षा आदि को शामिल किया जाता है। प्रशिक्षणार्थी को न केवल इनमें भाग लेना होता है बल्कि योग्यता, कुशलता या परिपूर्णता प्राप्त करना होता है। महाविद्यालय में उपर्युक्त प्रमुख गतिविधियों के अतिरिक्त भी अनेक गतिविधियों का अपने महाविद्यालय स्तर पर आयोजन किया जाता है। इन सभी गतिविधियों का आयोजन करके प्रशिक्षणार्थी में शिक्षक के लिए निहित गुणवत्ताओं का सफलतापूर्वक अधिगम करवाया जाता हैं जिससे हमारे भारत देश की शिक्षा व्यवस्था में आवश्यकतानुसार परिवर्तन करके भारत देश को हमेशा विश्व गुरू बनाये रख सकें।

---

* शोध निर्देशक, राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान।
** शोधार्थी, राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान।

राजस्थान में भी शिक्षकों के प्रभावी प्रशिक्षण के लिए वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में सैकडों शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालय संचालित किए जा रहे और इन ग्रामीण प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षकों के रूप में तैयार किया जा रहा है, तभी जहन में प्रश्न उठता है कि ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर उत्तीर्ण हो रहे प्रशिक्षणार्थियों की गुणवत्ता किस प्रकार की है, साथ ही गुणवत्ता किस स्तर की है, इनको प्रशिक्षण उचित प्रकार से दिया जा रहा है या नहीं। महाविद्यालयों द्वारा प्रशिक्षण के लिए निर्धारित कसौटियों का पालन किया जा रहा है या नहीं। प्रमुख गतिविधियों का परिपूर्णता के साथ प्रशिक्षण हो रहा है या नहीं। प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षण कौशलों का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया जा रहा या नहीं साथ ही प्रशिक्षणार्थी एनसीटीई द्वारा निर्धारित इन्टर्नशिप कार्यक्रम में रूचि के साथ कुशलता प्राप्त कर रहे या नहीं, उपरोक्त प्रश्नों का उत्तर अगर नकारात्मक आ रहा हैं तो यह केवल राजस्थान राज्य के लिए ही नहीं वरन् सम्पूर्ण भारतवर्ष की शिक्षा पर कुठाराघात है और ऐसा कुठाराघात या खिलवाड़ अगर होता है तो भारत के लिए हमेशा विश्वगुरू बने रहने पर संशय उत्पन्न कर रहा है। इसीलिए प्रस्तुत शोध में बी.एड. ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता को जानने का प्रयास किया गया हैं।

समस्या कथन

''बी.एड. ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कुल स्थानबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता का विश्लेषणात्मक अध्ययन''

शोध के उद्देश्य

- बी.एड. ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कुल स्थानबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता का अध्ययन करना।
- बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापकों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता का अध्ययन करना।
- बी.एड.ग्रामीण छात्राध्यापिकाओं का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता का अध्ययन करना।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऐं

- बी.एड. ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कुल स्थानबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापकों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापिकाओं का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध अध्ययन की विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जायेगा।

सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन

- **जोशी प्रो. अनन्त एन. (1984)** ''शिक्षण कौशल–कलस्टर का प्रशिक्षण छात्र–शिक्षकों पर प्रभाव एवं प्रदर्शन मापदंड निर्माण का एक अध्ययन'' शीर्षक पर अनुसंधान कार्य किया और परिणामस्वरूप पाया कि उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्र–शिक्षकों द्वारा समय का सही उपयोग एवं शिक्षण कौशलों का अधिकतम उपयोग किया।

- **बानू हमीदा (2017)** ''स्नातक स्तर के विधार्थियों में सम्प्रेषण कौशल के सन्दर्भ में न्युरो– भाषा कार्यक्रम एवं मेटा–भाषा संरचना के बीच सम्प्रेषण भाषा के प्रभाव का अध्ययन'' विषय पर शोध कार्य किया और निष्कर्षो में पाया कि सम्प्रेषण कौशल में न्युरो– भाषा कार्यक्रम की प्रभावशीलता है।
- **रूला वाहशाह एवं हाइफा अलहावमदेह (2015)** ''शिक्षको के परिप्रेक्ष्य से हाई स्कुल के छात्रों के बीच प्रभावी शिक्षण कौशल और विधियों को सक्रिय करने में महिला शिक्षको की भुमिका–नजरन, के एस ए'' शीर्षक से शोध कार्य किया और परिणामस्वरूप प्राप्त किया कि प्रभावी शिक्षण करने के लिए महिला शिक्षको के शिक्षण कौशलो का नियोजन करने का स्तर अधिक है।
- **नजमुद्दीन पी. एवं अरीक्कुजहीयील सन्तोष (2019)** '' निर्देशक एवं पर्यवेक्षक क्या करते है? दो वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम में एनसीटीई स्कूल इन्टर्नशिप रूपरेखा एवं दिशा निर्देशो का विश्लेषणात्मक अध्ययन'' शीर्षक पर शोध कार्य किया और पाया कि एनसीटीई के इन्टर्नशिप से सम्बन्धित दिशा निर्देशो का निर्देशक एवं पर्यवेक्षक अपनी जिम्मेंदारी एवं भूमिका का पूर्णतः पालन नही कर सके जिसका प्रभाव इन्टर्नशिप कार्यक्रम पर देखने को मिला।

परिकल्पना संख्या – 1

बी.एड. ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 1 : बी.एड. ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता की सार्थकता की गणना

प्रशिक्षणार्थी एवं परीक्षण	संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता का अंश (df)	एफ.मूल्य (F-Value)	सार्थकता 0.05ः विश्वास स्तर पर मान	सार्थकता का स्तर
ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियोंका शिक्षण कौशल	300	186.51	38.79	299	1.06	1ण्21	स्वीकृत
ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियोंका इन्टर्नशिप	300	187.41	41ण्23	299			

व्याख्या

तालिका 1 के अनुसार अन्तर की सार्थकता की जाँच के लिए प्रदत्तों का 'एफ –मूल्य' ज्ञात किया गया जो 1.06 प्राप्त हुआ। सार्थकता 0.05 विश्वास स्तर पर मान 1.21 है से 'एफ –मूल्य' कम है। अतः इस परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है एवं इससे यह ज्ञात होता है कि बी.एड. ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना संख्या – 2

बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापकों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 2: बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापकों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता की सार्थकता की गणना

प्रशिक्षणार्थी एवं परीक्षण	संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता का अंश (df)	एफ.मूल्य (F-Value)	सार्थकता 0.05: विश्वास स्तर पर मान	सार्थकता का स्तर
बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापकोंका शिक्षण कौशल	150	187ण्05	39ण्15	149	1	1ण्31	स्वीकृत
बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापकोंका इन्टर्नशिप	150	188ण्02	39ण्07	149			

तालिका 2 के अनुसार अन्तर की सार्थकता की जाँच के लिए प्रदत्तों का 'एफ –मूल्य' ज्ञात किया गया जो 1.00 प्राप्त हुआ। सार्थकता 0.05 विश्वास स्तर पर मान 1.31 है से 'एफ –मूल्य' कम है। अतः इस परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है एवं इससे यह ज्ञात होता है कि बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापकोंका शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना संख्या –3

बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापिकाओं का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 3: बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापिकाओं का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता की सार्थकता की गणना

प्रशिक्षणार्थी एवं परीक्षण	संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता का अंश (df)	एफ.मूल्य (F-Value)	सार्थकता 0.05: विश्वास स्तर पर मान	सार्थकता का स्तर
बी.एड.ग्रामीण छात्राध्यापिकाओं का शिक्षण कौशल	150	186.8	42.93	149	1.13	1.31	स्वीकृत
बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापिकाओं का इन्टर्नशिप	150	185.97	38.10	149			

तालिका 3 के अनुसार अन्तर की सार्थकता की जाँच के लिए प्रदत्तों का 'एफ –मूल्य' ज्ञात किया गया जो 1.13 प्राप्त हुआ। सार्थकता 0.05 विश्वास स्तर पर मान 1.31 है से 'एफ –मूल्य' कम है। अतः इस परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है एवं इससे यह ज्ञात होता है कि बी.एड.ग्रामीणछात्राध्यापिकाओंका शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध निष्कर्ष

- बी.एड. ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में सार्थक अन्तर नहीं है।

- बी.एड. ग्रामीण छात्राध्यापकों का शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में सार्थक अन्तर नहीं है।
- बी.एड.ग्रामीणछात्राध्यापिकाओंका शिक्षण कौशलों के सन्दर्भ में स्कूल स्थानबद्ध कार्यक्रम (इन्टर्नशिप) की भूमिका एवं उपादेयता में सार्थक अन्तर नहीं है।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध निष्कर्षों के आधार पर कहा जा सकता है कि शिक्षण कौशल इन्टर्नशिप के दृष्टिकोणों को समझने में सहायक सिद्ध होगें।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

पुस्तकें

1. अग्रवाल,जे.सी. (2002)एजुकेशनल रिसर्च एन इन्ट्रोडक्शन, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
2. ढौंडियाल, सच्चिदानन्द एवं फाटक, अरविन्द (2006)शैक्षिक अनुसन्धान का विधिशास्त्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर
3. कथुरीया, रामदेव प्रसाद (2007) सूक्ष्म अध्यापन व शिक्षण प्रतिमान, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा
4. जैन, डॉ. बी. एम. (2003) रिसर्च मैथ्डोलॉजी, रिसर्च पब्लिकेशन्स, जयपुर एवं नई दिल्ली
5. नागर, कैलाश नाथ (1982) शैक्षिक तकनीकी के मूलाधार, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. ओड, एल. के. (1990) शिक्षा के नूतन आयाम, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
7. राय, डॉ. पारस नाथ, (1985), अनुसन्धान परिचय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
8. रायजादा,वी.एस. (1997), शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी,जयपुर
9. शर्मा, आर. ए. (1998) शिक्षा में अनुसंधान, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ
10. त्रिवेदी डॉ. आर. एन. एवं शुक्ला डॉ. डी. पी. (2004) रिसर्च मैथ्डोलॉजी, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर एवं नयी दिल्ली

जर्नल्स एवं पत्रिकाऐं

11. बुच,एम. बी. (1983–88) फोर्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन,वॉल्यूम–2, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
12. इण्डियन एजुकेशन एब्सट्रेक्ट एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
13. एन.सी.ई.आर.टी.,नई दिल्ली(1988–92) फिफ्थसर्वे ऑफ रिसर्च इनएजुकेशन,वॉल्यूम–2, एन.सी.ई.आर.टी. ,नई दिल्ली
14. नागाराजू,सी. एस.(1933–2000)फिफ्थसर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन,वॉल्यूम–1, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

वेबसाइट्स

15. https://ncte.gov.in
16. https://rajshaladarpan.nic.in/sd2/internshipnew/home/Home.aspx
17. http://shodhganga.inflibnet.ac.in
18. https://shodhgangotri.inflibnet.ac.in

❖◆❖